

## Assistive technology - a helpful resource (असिस्टीव टेक्नोलॉजी - एक सहायक साधन)

TOTAL DURATION: 00:30:39

Time in	Time out	Transcription	Translation
00:00:15	00:01:50	<p>Shilpa: नमस्कार और speak my language परियोजना में आपका स्वागत है जहाँ सांस्कृतिक विभिन्नता से जुड़े लोग अक्षमता सहित सुखी जीवन बिताने के बारे में बात करेंगे। मेरा नाम है शिल्पा श्री नागराजाराव और मैं Ethnic Communities Council New South Wales के लिए काम करती हूँ।</p> <p>हमारे साक्षात्कारों में हम विविध सांस्कृतिक विभिन्नता के अक्षम लोगों से उनके हुनर और समुदाय की उपलब्धियों के माध्यम से कैसे खुशहाल जिंदगी बिता सकते हैं, इसके बारे में बात करेंगे। साथ ही उनकी सच्ची कहानियों उनके विचारधाराओं के बारे में जान सकते हैं।</p> <p>हम ऐसे लोगों से भी बातें करेंगे जो हमें गतिविधियों, अवसर और समुदाय में उपलब्ध संसाधनों के बारे में और अधिक जानकारी देंगे। नमस्कार और speak my language कार्यक्रम में आपका बहुत बहुत स्वागत है। दोस्तों, हम यहाँ पर बात करेंगे अक्षमता सहित सुखी जीवन बिताने के बारे में और इसके बारे में हमें और अधिक जानकारी देने के लिए हमारे साथ जुड़ी है एक बहुत ही खास विशेष अतिथि। उनका नाम है श्रीमती अपर्णा बक्शी जी।</p> <p>अपर्णा बक्शी जी एक Occupational Therapist है और इसी topic पे जुड़े हुए हमें और भी अधिक जानकारी देने के लिए यहाँ पे आई है। तो सबसे पहले अपर्णा</p>	<p>Shilpa: Hello and welcome to the Speak My Language project where people from cultural diversity will talk about leading a happy life with disability. My name is Shilpashree Nagaraja Rao and I work for the Ethnic Communities Council New South Wales.</p> <p>In our interviews, we will talk to people with disabilities from diverse cultural backgrounds about how they can live happy lives through their talents and community achievements. Also, we can learn about their true stories, their beliefs. We will also talk to people who will give us more information about the activities, opportunities and resources available in the community.</p> <p>Hello and a warm welcome to you in Speak My Language program. Friends, here we will talk about living a happy life with disability and we have a very special guest with us to give us more information about it. She is Mrs. Aparna Bakshi.</p> <p>Aparna Bakshi is an Occupational Therapist and has come here to give us more information on this topic. So Aparna, first of all, you are very welcome in our program and we want to thank you that you have come to participate in our program. So thank you very much and welcome.</p>

		जी, आपका हमारे कार्यक्रम में बहुत बहुत स्वागत है और हम आपको धन्यवाद कहना चाहते हैं कि आप हमारे इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आई हैं। तो आपको बहुत बहुत धन्यवाद और स्वागत।	
00:01:51	00:01:52	Aparna: धन्यवाद शिल्पा श्री जी।	Aparna: Thank you Shilpashree.
00:01:53	00:02:08	Shilpa: तो अपर्णा जी! क्या आप हमें बता सकते हैं कि ये Assistive Technology यानी कि सहाय तकनीक ये क्या है? और इससे अक्षम लोगों को कैसे फायदा पहुंचेगा?	Shilpa: So Aparna! Can you tell us what is Assistive Technology? And how will it benefit the disabled people?
00:02:09	00:08:28	Aparna: तो देखिए हमारी जो रोजमर्रा की जिंदगी है, हमारा जो दैनिक जीवन है इसमें हम कई सारे काम करते हैं। जैसे की हम सुबह उठके ब्रश करते हैं, हम नहाते हैं, हम कपड़े बदलते हैं, हम खाना बनाते हैं, हम खाना खाते हैं, हम स्कूल, कॉलेज जाते हैं, हम नौकरी पर जाते हैं और जब किसी कारणवश किसी बीमारी की वजह से या चोट लगने की वजह से इनमें से किसी कार्य में जब बाधा आ जाती है, ये कार्य हम पूरी तरह से पूर्ण नहीं कर सकते हैं। तब हमें Assistive Technology की जरूरत पड़ सकती है। अब देखिए Technology एक आम इंसान की जिंदगी में क्या करती है। हमारी जिंदगी आसान बनाती है, लेकिन एक अक्षम इंसान के जिंदगी में Technology सब कुछ संभव करती है तो आप देख सकते हैं कितना बड़ा फर्क है दो चीजों में एक है कि आसानी और एक है कुछ बातें संभव होना। W.H.O जो world health organisation है उन्होंने Assistive Technology का जो प्राथमिक उद्देश्य बताया है वो है किसी भी अक्षम इंसान की	Aparna: Look, we do a lot of things in our everyday routine, in our daily life. Like we brush our teeth after waking up in the morning, we take a shower, we change clothes, we cook, we eat, we go to school, college, we go to work and when for some reason any of these tasks are interrupted due to some illness or injury, we cannot complete these tasks completely. Then we may need Assistive Technology. Now let us talk about what technology does in the life of a common man. It makes our life easy, but technology makes everything possible in the life of a disabled person, so you can see how big a difference there is in these two things, one is about making things easy and the other one is about making things possible. The WHO, which is the World Health Organization, has described the primary purpose of Assistive Technology as to maintain or improve the independence of a disabled person, so as to improve their social interaction.

	<p>स्वतंत्रता बनाए रखना या उसमें सुधार लाना, जिससे उनका सोशल इंटरैक्शन बढ़े। मतलब उसे कोई भी काम करने में सक्षमता मिले और उसकी भागीदारी बढ़े। अगर हम संक्षिप्त में ऐसी कोई चीज़ सिस्टम या सपोर्ट जिससे उस व्यक्ति के उनके दैनिक कार्य में भागीदारी बढ़ती है, जो अन्यथा कठिन या असंभव हो सकती है। ये Assistive Technology करती है। अभी मैं अगर आपको उदाहरण दूं तो जैसे अगर कोई इंसान है जो बात नहीं कर सकता, मूक है तो अपने मन के विचार, इच्छा वो कैसे व्यक्त करें? तो उनके लिए अलग अलग तरह की communication aids बनाए गए हैं जैसे कि Speed generating devices, voice output, communication devices, इनके इस्तेमाल से उनको ट्रेनिंग दी जाती है कि इनको कैसे यूज़ करना है, क्योंकि ये बहुत ही Technological Advanced होते हैं। इससे वो अपने मन के विचार अपनी इच्छाएं व्यक्त कर सकते हैं, जिसकी वजह से वो Socially interact कर सकते हैं लोगों से। और होता क्या है जब हम लोगों के साथ घुल मिलते हैं, उनके साथ में हमारा जो व्यवहार होता है उससे क्या होता है? उससे हमारा quality of life मतलब जीवन की जो गुणवत्ता है उसमें सुधार आता है और यही हमारे जीवन का जो Aim है, जीवन का यही है कि हमारी quality of life बनी रहे तो अब हम बात करेंगे इनकी इनकी benefits किनको मिलते हैं, इसका फायदा किसको मिलता है? तो आपको जान के बड़ा आश्चर्य होगा की ऑस्ट्रेलिया में पांच में से एक ऐसा एक व्यक्ति है जो अक्षम है।</p>	<p>It means that person should be able to do any work and their participation should increase. So in brief, a system or support which increases that person's participation in their daily work, which otherwise might be difficult or impossible. Assistive Technology does that. Now, if I give you an example, if there is a person who cannot talk, is dumb, then how can they express their thoughts and desires? So different types of communication aids have been created for them such as Speed Generating Devices, Voice Output, Communication Devices. They are trained on how to use them, because they are very technologically advanced. With this, they can express their thoughts and desires, and as a result they can interact socially with people. And what happens when we interact with people, what is the result of the way we behave with them? It improves our quality of life improves and this is the aim of our life that our quality of life should be maintained, so now we will talk about who gets their benefits, who gets the benefit of it? So you will be surprised to know that one in five people in Australia is disabled. Or if anyone who has any functional limitations, then Assistive Technology is there for them. It is not limited to the disabled person, but the people who are with them, their carers or family members, their friends and family, the contribution of Assistive Technology is also very big for them because of the services they get through their</p>
--	--	--

	<p>या जिससे कोई ना कोई functional limitations है तो यह Assistive Technology जो है। ये खाली उस व्यक्ति तक सीमित नहीं है जो अक्षम है, पर उसके साथ में जो लोग है, उसके जो देखभाल करने वाले लोग है या जो family members है, उनका जो दोस्त परिवार है, इनको भी Assistive Technology का जो योगदान है, ये बहुत बड़ा है क्योंकि उनके Assistive Technology के through जो उनको Services मिलते हैं।</p> <p>या जो Devices वो भी कभी कभी use करते हैं इसका उन्हें भी फायदा होता है। अब Assistive Technology कैसे इस्तेमाल होती है, ये कैसे किसी के लिए योग्य है इसके बारे में मैं आपको कुछ उदाहरण दूंगी ताकि ये और अच्छे से समझे कि ये है क्या? तो फर्ज कीजिए कि कोई इंसान है, कोई वृद्ध इंसान है। जिसको अभी भी Stroke हुआ है और जो उसमें से अभी भी Treatment ले के Rehabilitation करके ठीक हो रहे हैं और अभी अपने घर जा रहे हैं और इन्हें अपने आप से अपनी जिंदगी बितानी है अकेले रह के, वह यह अपने आप को Bathroom में इतना सुरक्षित महसूस नहीं करते क्योंकि होता क्या है? किसी भी Paralysis या Stroke के बाद में इंसान का जो Balance है और Confidence है, दोनों में फर्क आ जाता है तो obviously Bathroom Area है या कोई ऐसा Area है तो वहाँ पे इंसान थोड़ा risky feel करता है कि भाई मैं गिर जाऊंगा, मैं पड़ जाऊंगा, मुझे कुछ लग जाएगा तो ऐसी situation में उन्हें Grabrails हम fit करके देते हैं।</p> <p>और वो उसकी वजह से मतलब वो</p>	<p>Assistive Technology. Or they also benefit from the devices that they use occasionally. Now I will give you some examples about how Assistive Technology is used, how it is suitable for someone so that it is better understood what it is? So, let us suppose there is an elderly person. One who has recently had a stroke and they are recovering after the treatment and rehabilitation and returning to their house and they have to spend their live by themselves by staying alone.</p> <p>They do not feel very safe in the shower because a person's balance and confidence changes after paralysis or stroke, so obviously the person feels risky at the bathroom area or in some other area thinking they may have a fall, they will hurt themselves, so in that kind of situation we fit GrabRails for them.</p> <p>And because of that, they start movement in the shower holding those GrabRails. So this is also Assistive Technology. Apart from this, if I give you another example, if there is a young person and if they have weakness in their legs due to some disease and as a result they cannot walk for long. So if there is a grocery shop around one and a half kilometers from the house, they cannot go and do their grocery on their own, but now they have been given a motorized scooter, so now they can go and do their grocery on their own by using it, so it is also an Assistive Technology. Apart from this, I will give an example of an elderly person who has</p>
--	--	--

	<p>जब आना जाना करते हैं Bathroom के अंदर तो वो आधार ले सकते हैं उस चीज़ का तो ये Grabrails का जो ये जो चीज़ है ये भी एक Assistive Technology है।</p> <p>इसके अलावा अगर मैं आपको और एक उदाहरण दूँ, कोई जवान इंसान है और इनको किसी बीमारी की वजह से इनके पैरों में कमजोरी आ गई है जिसकी वजह से अब ये ज्यादा लंबा नहीं चल सकते हैं। तो मतलब घर के पास में समझे एक डेढ़ किलोमीटर पे कोई grocery है, अभी अपनी grocery करने नहीं जा सकते अपने से लेकिन अब इन्हें Motorized Scooter दी गई है तो इसके उपयोग से अब ये खुद जाके अपनी grocery कर सकते हैं तो ये भी एक Assistive Technology है। इसके अलावा कोई फिर से मैं अभी आपको एक वृद्ध इंसान के बारे में बताऊँगा जो जिन्हें अभी अभी पता चला है कि उन्हें Dementia या शायद बुद्धिभ्रंश जो भी अलग अलग नाम है इसके, जिसमें इनको short term memory loss होता है तो और इसका सीधा असर जो इन लोगों को फर्क पड़ता है वो है उनकी दवाइयां लेने का समय तो वो भूल जाते हैं कि और ज्यादातर जो वृद्ध लोग होते हैं इनकी दवाइयां 10 से 20 पता नहीं कितनी होती है। अब ये ध्यान में नहीं रख सकते कि ये दवाई कितने बजे लेनी है, कब लेनी है, कौन सी लेनी है? इसके लिए Electronic pill boxes भी बने हैं, जो ये अपने खरीद सकते हैं और वो ऐसे हैं जो वक्त पे दवाई डिस्पेंस करेगी ताकि आपको ध्यान में रखने की कोई जरूरत नहीं है। तो ये भी एक Assistive Technology है। इसके अलावा Voice Enabled Devices</p>	<p>just come to know that they have Dementia or maybe Alzheimer, in which the patients suffers from short term memory loss, then the direct impact of it on the people is that they forget the time to take their medicine and most of the elderly have around 10 to 20 medicines. Now they cannot remember at what time they need to take their medicine, when to take it, which one to take? For this, Electronic Pill boxes have been created, which they can buy for themselves and they dispense medicines on time so that you do not need to remember. So this is also an Assistive Technology. Apart from this, there are Voice Enabled Devices. Like, sitting inside the house, as we all know, you can give instructions to Siri, Alexa etc. these days, and through this you can give instructions to turn the lights, fans, blinds on and off. It is known as Home Automation. This is also an Assistive Technology. So, you would have realised how it is making the life of a person possible and easy. Assistive Technology is doing our job. Here I will definitely tell one thing because I am an Occupational Therapist, that you may find information on certain things by seeing or talking to others so you can buy them as you like, but for the example of GrabRails that I had given you, you need a professional assessment for it and an Occupational Therapist can do it for you.</p>
--	---	---

		<p>है। जैसे कि घर के अंदर बैठे बैठे आप siri, alexa ये चीजें आजकल हम सभी जानते हैं इसके through आप इनको command दे कर घर के Lights, पंखे, Blind इनके मतलब on and off के Instructions आप दे सकते हो। ये भी इसको Home Automation कहते हैं। हम लोग हमारे इसमें ये भी एक Assistive Technology है तो यहाँ पे आपको ध्यान में आया होगा कि जो इंसान की जिंदगी संभव आसान बना रही है। ये Assistive Technology हमारा काम कर रही है। यहाँ पे एक चीज़ मैं जरूर बताऊँगा because मैं एक occupational therapist हूँ कि कुछ चीजें आप जानकारी लेके एक दूसरे से बात करके किसी के यहाँ देखी है वो चीजें तो आप अपने मन से खरीद के रख सकते हैं लेकिन जो अभी आपको मैंने उदाहरण दिया था grab rails का उसके लिए आपको कोई Professional Assessment की जरूरत है, जो आपको occupational therapist दे सकता है।</p>	
00:08:29	00:09:10	<p>Shilpa: Okay. तो अभी आपने बताया की अगर किसी को कोई चोट लगी हो physically तो उनको आप कैसे ये Assistive Technology के हिसाब से उनको बेहतर बना सकते हैं उनके जीवन को। तो क्या ये सारे Assistive Technology के जो Services हैं, जो सेवाएं हैं वो केवल दैनिक Problems के लिए होती है या फिर क्योंकि अक्षमता माने बिल्कुल Physical नहीं होते? कुछ लोगों को मेंटली भी कोई Problems होती है like जैसे कि Anxiety या फिर depression और Dementia भी एक ऐसा ही है। तो और कौन कौन से ऐसे</p>	<p>Shilpa: Okay. So as you just told us that if someone has suffered any physical injury, then how can you improve their life according to this Assistive Technology. So are all these services of Assistive Technology only for daily problems or are these available for people who are completely disable physically? Some people also have mental issues like anxiety or depression and dementia is also a problem. So what are the other areas that you can cover with this Assistive Technology?</p>

		Areas हैं जो आप इस Assistive Technology के द्वारा cover कर सकते हैं?	
00:09:11	00:10:35	<p>Aparna: देखिए Assistive echnology जो है वो जैसे dementia के जो Clients होते हैं, जो वृद्ध लोग हैं या कभी कभी थोड़े से कम वृद्ध लोगों को भी आजकल dementia होता है। Early Onset भी बोलते हैं उसे तो उनके case में जैसे Joy for Companion Pets एक प्रकार है systems technology technology का, जिसमें ऐसे Stuff Toys जैसे कि बिल्ली है, कुत्ता है। वो ऐसे है जिनमें से आवाज निकलती है एकदम जैसे असली कुत्ता या बिल्ली है तो उस हिसाब से वो एक Companion Toy बनता है उनके लिए तो ये काफी गहन विषय है। इसका मैं इतना शार्ट में आपको नहीं बता सकती हूँ लेकिन उनको जो Sensory stimulation एक Sensory calming effect आता है, उनके ऊपर ये सब चीजें इस्तेमाल करने से ये भी एक Assistive Technology के under है। इसके अलावा जो काफी बच्चे होते हैं जिनको Autism है या कुछ है तो उनके लिए जो Sensory Toys दिए जाते हैं या फिर Sensory Environment जो उनको दिया जाता है, उसके अंदर जो चीजें होती हैं जैसे कोई Weighted Blanket है या Weighted Vest ji सको बोलते हैं या उनको Basically कभी कभी किसी बच्चों की Activity बहुत Hyper होती है तो उन्हें शांत करने के लिए जो उनके उन्हें जो चीजें दी जाती है वो भी ऐसी Assistive Technology के under है तो हाँ मतलब उस हद तक Assistive Technology का असर है। मतलब आप अलग</p>	<p>Aparna: See, Assistive Technology is, those who are the clients of dementia, elderly people who are clients have dementia or these days even less elderly people also have dementia. It is also known as Early Onset, so in their case, Joy for Companion Pets, a type of systems technology, it consists of a stuff toy like a cat or dog. These toys have sounds come out of them just like the sound of a real dog or cat, so it becomes their companion toy, so it is an intense matter for them. I cannot tell you this in short, but by using all these things, they feel a sensory stimulation, a sensory calming effect, this also comes under Assistive Technology. Apart from this, there are many children who have Autism or some other problem, then the sensory toys that are given to them or the sensory environment that is provided to them, it has things inside it like a weighted blanket or a weighted vest or basically sometimes the activity of a child is very hyper, then the things give to them to calm them down also fall under Assistive Technology, so yeah the impact of Assistive Technology is to that extent. I mean you can see the variety in it.</p>

		अलग इसमें देख सकते हैं इसको।	
00:10:36	00:10:43	Shilpa: तो एक हिसाब से ये Assistive Technology हमारे जीवन को और बेहतर तरीके से जीने में बहुत मदद करेगी।	Shilpa: So in a way, this Assistive Technology will help us a lot in living our lives in a better way.
00:10:44	00:10:45	Aparna: बिल्कुल बिल्कुल बेहतर करती है।	Aparna: Absolutely. It does make it better.
00:10:46	00:11:14	Shilpa: अगर किसी को ये Assistive Technology की जो Services है वो अगर उनको इस्तेमाल करना है या आजमाना है तो क्या कुछ ऐसी आवश्यकता है लेकिन जैसे कि Pre Requisites यानी किसी Health Professional से या फिर किसी डॉक्टर से Referral Letter या फिर कोई Recommendation ऐसा कुछ लेके आना है या फिर directly वो आ कर आप लोगों को contact करके देखो भाई ऐसा है मेरा problem मेरे को कुछ ऐसा कुछ solution है क्या बोल के Can they come and contact you?	Shilpa: If someone has to use or try these services of Assistive Technology, then are there any Pre Requisites such as Referral Letter from a Health Professional or a Doctor or do they need to bring any recommendation or can they come and contact you guys directly and tell their problem and ask for a solution. Can they come and contact you?
00:11:15	00:12:25	Aparna: बिल्कुल बिल्कुल। मैं आपको यहाँ पे बताना चाहती हूँ कि Assistive Technology में जो हमारा Assistive Technology ऑस्ट्रेलिया का जो centre है West Point Black Town में जहाँ पे जहाँ से हम काम करते हैं हमारा office वहाँ है वहाँ पे आपको अगर किसी चीज़ की जानकारी चाहिए तो आप वहाँ पर सीधे आ सकते हो। आपको किसी भी डॉक्टर के रेफरल लेटर की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। ये वहाँ पे जब हमारे यहाँ कभी कभी लोग आते हैं, वो कई बार Therapist के साथ में आते हैं क्योंकि Therapist उनके साथ काम कर रहा होता है। उसे पता होता है कि इन्हें क्या Problems है, इनको किस मतलब शरीर के किस भाग में इनको तकलीफ है। कौन से काम इन्हें नहीं हो पाते हैं इनसे	Aparna: Absolutely. I want to tell you that our center of Assistive Technology Australia at West Point Black Town, where we work, where our office is located. If you want information about anything, you can come there directly. You do not need any doctor's referral letter at all. When people come to our place, sometimes they come with a therapist because the therapist is working with them. He knows what problems they have, in which body part they have issues. What kind of works they are unable to do, that is why mostly a therapist comes with them and books an appointment and we have discussions on how we will provide things to them. They can see it, they can get



		<p>इसीलिए ज्यादातर इनके साथ में कोई Therapist आ कर Appointment Book करता है और वो चीजों को ले कर Discussion होता है हमारे आज की हम जैसे उनको चीजें प्रदान करते हैं।</p> <p>वह देख सकते हैं, Hands On Experience ले सकते हैं। इनके बारे में मैं आगे बताऊँगी आपको। तो ये सारा वो खुद आ कर देख सकते हैं तो इसके लिए इनको कोई Referral Letter की जरूरत नहीं है और जरूरी भी नहीं है कि आपके साथ Therapist हो। अगर आपको किसी चीज़ की मतलब Curiosity है आप जानना चाहते हैं उस चीज़ को आप straight away आ कर walk in करके भी हमारे पास आ कर इस चीज़ की जानकारी जरूर माँग सकते हैं।</p>	<p>hands-on experience. I will tell you about them later. So they can come and see all of this themselves, they do not need any referral letter for this and it is not required as well that you have a therapist with you. If you have a curiosity for something, you want to know about something. You can straightaway walk in and come to us and ask for information about it.</p>
00:12:26	00:12:45	<p>Shilpa: तो अगर किसी को किसी Assistive Technology की Services को अगर लेने के बारे में decision हो गया है तो क्या आप उन्हें इसको कैसे इस्तेमाल करना है या फिर कितने दिनों तक इसको Practice करना है उसके बारे में आप खुद अपने center में उनको Training देंगे या फिर उनके घर आ कर उनको Training देंगे या फिर ये कैसे चलता है?</p>	<p>Shilpa: So if someone has decided about taking the services of any Assistive Technology, then will you give them training in your own center about how to use it or how many days to use it for, or will you come to their house and train them or how does this process work?</p>
00:12:46	00:13:59	<p>Aparna: हाँ, ये मैं बहुत clear करना चाहती हूँ ये जो Service हम वहाँ पर देते हैं ये Option और advice basis पर होती है। मतलब हम सुझाव देंगे, आपको सलाह देंगे, आपको train नहीं करेंगे, इसका Reason मैं आपको बताऊँगी। कोई भी Patient जो है जिनको कोई जैसे समझे spinal cord injury हो गया। कोई post accidental case है, अब recovery हो रही है उनकी धीरे धीरे करके कुछ भी हो सकता है</p>	<p>Aparna: Yes, I want to make it very clear that the service that we provide there is on an option and advice basis. That is we will give suggestions, advise you, but we will not train you. I will tell you the reason for this. Imagine there is a patient and they have suffered from spinal cord injury. So it is a post-accidental case, now they are recovering gradually, anything can happen in their process of recovery. We are not checking</p>

		<p>उनको ये process of recovery में, तो हम उनके साथ एक रोज़ रोज़ के मतलब दैनिक कार्य में उनको रोज़ देख नहीं रहे। हम उनको नहीं देख रहे की वो कैसे उठते है, उन्हें उठते समय क्या problem है, इनको मानो खाना खाते समय क्या problem हो रही है? ये इनको किस area में problem है इसके बारे में हमें कुछ भी जानकारी नहीं है। तो हम किसी भी चीज़ की ट्रेनिंग हमारे यहाँ ऐसी वाली नहीं देंगे। हम खाली उनको Options देंगे, वो Devices दिखाएंगे, वो Equipment दिखाएंगे, लेकिन हम ये नहीं कहेंगे आप ये वाला ही लीजिए या वो वाला ही लीजिए यही सही है आपके लिए। आप अपने या तो Therapist के साथ में Discuss करेंगे या ये अपने आप से भी अपना चॉइस कर सकते हैं। आप ऐसे जरूरी नहीं है कि आपको Therapist की ही जरूरत है। कभी कभी कुछ चीजों का decision आप खुद से भी ले सकते हैं। इसके लिए।</p>	<p>them daily. We are not able to see how they get up, what problem do they have while getting up, what problem do they have while eating? Which area do they have problem in? We have no information about it. So we will not give any training for anything here. We will only give them options, show them those devices, those equipments, but we will not say that you should take this or that one as that is right one for you. You will either discuss with your therapist or you can make a choice on your own. You don't necessarily need a therapist. Sometimes you can decide certain things on your own. For this.</p>
00:14:00	00:14:22	<p>Shilpa: अभी जो आपने ये सारे Assistive Technology Devices के बारे में बताया है तो ये क्या सारे Insurance में cover होंगे या फिर ये सारे Medicare के अंदर cover होंगे या फिर ये कोई Special Eligibility चाहिए उनको purchase करने के लिए फिर इसका कैसा है मतलब अगर लोगों को ये चाहिए तो ये Affordable है कि नहीं।</p>	<p>Shilpa: Now what you have told about all these Assistive Technology Devices, will all of them be covered by insurance or will all of them be covered under Medicare or is there any special eligibility required to purchase them. So, how does this work if people need it? Are they affordable?</p>
00:14:23	00:15:15	<p>Aparna: बहुत अच्छा सवाल आपने पूछा है कि ये कैसे cover होगा तो ये totally depend करेगा कि आप कौन से Funding Scheme के अंतर्गत है, जैसे काफी लोग हमारे यहाँ जो आते हैं वो N.D.I.S Funding Scheme के</p>	<p>Aparna: You have asked a very good question that how will it be covered. This will totally depend on which funding scheme you are under, like many people who come to us under the N.D.I.S. Funding</p>

		<p>under आते हैं। National Disability Insurance Scheme के अंदर आते हैं और उनको जो भी Equipment लेने होते हैं, उसका एक Procedure होता है जो N.D.I.S के through चलता है और वो सारा उनकी तरफ से चलता है और वो Decide करते हैं कि आपको ये particular जो Equipment है इसकी जरूरत है कि नहीं है तो ये तो basically depend करेगा की आपका ये कौन सी Funding Scheme के under आ रहा है और क्या मतलब आपकी situation और आपकी Funding Scheme और आपकी जो अक्षमता है, ये सब चीजों का, एक इन सब चीजों का मेल है basically.</p>	<p>Scheme. They come under the National Disability Insurance Scheme and whatever equipment they have to take, there is a procedure which is run by the NDIS and they run it and they decide whether you need this particular equipment or not. So, it will basically depend on which funding scheme is falls under and what is your situation and your funding scheme and your disability. This is basically a combination of all these factors.</p>
00:15:16	00:15:49	<p>Shilpa: जी जी तो बातें करते करते समय का पता नहीं चला कि हम अपने कार्यक्रम के आखिरी मोड़ पर आ गए हैं, लेकिन जाने से पहले मैं आपसे एक सवाल तो पूछना चाहती हूँ आपके इस Assistive Technology से बहुत लोगों को तो फायदा जरूर हुआ होगा इसका मुझे पूरा यकीन है लेकिन क्या आप ऐसे कुछ लोगों के बारे में बता सकते हैं जिन्होंने इससे बहुत से फायदा पा कर अपनी जिंदगी को और बेहतर बनाया होगा तो उनकी कुछ कहानियों, फिर उनका कुछ experiences अगर आप हमारे साथ share करेंगी तो हमारे listeners को बहुत अच्छा लगेगा।</p>	<p>Shilpa: Yes. With our conversation, we did not realize that we have reached the end of your program, but before you leave, I want to ask you a question. I am sure that many people must have benefited from this Assistive Technology, but can you tell about some people who have benefited from it and have made their lives better? If you can share some of their stories and experiences with us, then our listeners will feel very happy.</p>
00:15:50	00:23:22	<p>Aparna: तो यहाँ पर मैं ऐसी दो तीन कहानियों आपको बता सकती हूँ मतलब जो मैंने आपको Services के बारे में ज्यादा बताया नहीं है। अगर आप चाहते हैं मैं</p>	<p>Aparna: So here I can tell you two or three such stories, I mean I have not told you much about the services. If you want, I can tell you that we have an Info Line Service here, where</p>

	<p>बता सकती हूँ कि हमारे यहाँ जो एक Info Line Service है, जहाँ पर लोग अपने जो सवाल है, जो अपने प्रश्न है, वो या तो एक फ़ोन कॉल से या ईमेल से हमें भेज सकते हैं हम उनको study करके देख के अब हमारा जो एक Data Base है Assistive Technology Australia की जो वेबसाइट है <a href="http://www.at-aust.org">www.at-aust.org</a> ये हमारी वेबसाइट है और इस पर से जो जितना भी Data Base है उसमें से हम Information निकाल के लोगों को E-mail के द्वारा या phone पर ही हम उनको Information दे सकते है और इसके अलावा हमारे community visits भी रहते है। Group Tours भी रहते है। हम एक Registered Training Organisation भी चलाते है तो इसलिए हम Certified Courses भी करते हैं। मतलब हमारे यहाँ एक Home Modification Training Course हैं। फिर Assistive Technology Mentor ये एक नया एक काफी सालो से एक चल रहा हैं और ये Nationally Accredited Training Course हैं तो इसकी ज्यादा जानकारी आपको हमारे Facebook Page पर मिलेगी और इससे जो अक्षम लोग हैं उनको काम करने के जरिये जो ये Assistive Technology का जो Sector है, इसमें इनको काम करने के अलग अलग तरीके मिलते हैं तो ये इसीलिए ये Assistive Technology Mentor का Course है और इन्हीं के लिए</p>	<p>people can send their question either by a phone call or by email. We study them and look at our database. We check our website i.e. Assistive Technology Australia <a href="http://www.at-aust.org">www.at-aust.org</a> and we can extract information from the data in it and give information to people via e-mail or on the phone and besides we conduct our community visits as well. There are Group Tours as well. We also run a Registered Training Organization, so we provide Certified Courses as well. I mean we have a Home Modification Training Course here. Then there is Assistive Technology Mentor which is a new one and has been in place for many years and it is a Nationally Accredited Training Course, you will get more information about it on our Facebook page and through this, the disabled people will get mediums to do work. The Assistive Technology sector gives them different ways to work, so that is why it is the Assistive Technology Mentor course and not only them but the carers with them can also do this course and every year we conduct the training for this course. To obtain eligibility for this, they have to cover 17 Units and you will get all that information on our Facebook page, so whatever I have just told you. When people ask questions on our InfoLines. What happened one time, let me tell you about it. An elderly had come to us to learn about Personal Care Alarm System, he must be around 75-80 years old. And he had come to know from somewhere that we keep</p>
--	---	--

	<p>नहीं इनके साथ जो Carers होते हैं ये भी ये Course कर सकते हैं और हर साल हम ये Course की ट्रेनिंग करते हैं। इसमें योग्यता पाने के लिए उनको 17 Units Cover करने पड़ते हैं और वो सारी Information आपको हमारे Facebook Page पर मिलेगी तो यहाँ पर जो मैंने अभी आपको कहा कि जो Infolines हमारी होती हैं उसमें जब लोग सवाल पूछते हैं, उसी में से एक बार ऐसे हुआ है कि जिसमें से आपको मैं बस बताऊँगी personal care alarm system के बारे में तो मेरे पास एक वृद्ध गृहस्थ आए थे वह 75-80 साल के होंगे और उन्हें कहीं से पता चला था कि हम इनके बारे में ये personal care alarm system के बारे में जानकारी रखते हैं तो सबसे पहले उन्होंने call किया और हमारे पास Appointment Book की। अब मैं आपको बताती हूँ कि जो personal care alarm system जो Concept है इसमें क्या होता है कि ये आप गले में as a Pendant पहन सकते है या as a wrist watch या wrist strap करके पहन सकते है। होता क्या है ये Devices जो होती है इसमें अलग अलग Features होते है जैसे की Fall Prevention है या Geo fencing है जिसको हम बोलते है मतलब कोई इंसान अगर गिर गया है ज्यादातर ये लोग जो वृद्ध लोग जो होते है वो इसका इस्तेमाल करते है तो अगर वह कहीं गिरे है और वो मतलब अब कैसे पता चले वो कहाँ गिरे हैं तो</p>	<p>information about Personal Care Alarm System, so first of all he called and booked an appointment with us. Now I will tell you about the concept of personal care alarm system, what happens in it is that you can wear it around the neck as a pendant or as a wrist watch or wrist strap. What happens is that this device has different features such as Fall Prevention or Geo fencing, which we say if a person has fallen. Mostly, elderly people use it, so if they have fallen somewhere and now how do we we know where they have fallen, it has a Fall Detector which sends an alert to their family or to the call center and according to that then that person can now be at home. Depends on the features that it has, according to that, they can come and organize emergency service for you, so when they came to know about this information and they visited us and saw it. We have a display here. Actually, we have an apartment which has been made accessible keeping in mind the problems or limitations of the disabled people. We have displayed almost 2000 different Assistive Devices here. It is for different problems and you can come and see it and we have displayed Personal Care Alarm System in different varieties here. When they came and saw all this information, they saw all the things and we gave them hand outs about it. They became so happy with this. The happiness I saw on their face, the feeling that now I am safe because you know, what</p>
--	--	---

	<p>उसका एक Fall Detector होता है जो उनके परिजनों को या तो Call center को alert भेजता है और उस के according फिर वो इंसान अब वो घर का हो सकता है। Depends उसके जो Features है वो उसके हिसाब से वो आ कर आपको Emergency Service Organize करके दे सकता है तो इसके बारे में जब इनको जब ये Information पता चली और इन्होंने हमारे यहाँ आ कर देखा तो हमारे यहाँ जो एक डिस्प्ले है, एक actually हमारे यहाँ एक Apartment है जो अक्षम लोगों की जो Problems है, Limitations है उनको ध्यान में रख के accessible बनाया गया है तो वहाँ पे हम हमारे यहाँ ऑलमोस्ट 2000 ऐसे अलग अलग Assistive Devices हमने प्रदर्शित कर रखे है। वो अलग अलग मतलब Problems के लिए है और वह आ कर आप देख सकते हो और वहाँ पर ही ये personal care alarm system हमने बहुत ही अलग अलग Variety में ये होते हैं वो हमने प्रदर्शित कर रखे हैं। जब ये आए और इन्होंने ये सब जानकारी देखी, सब चीजें देखी और हमने इनको hand outs दिए। इसके बारे में तो ये इतने खुश हो गए उनके चेहरे पर जो मैंने खुशी देखी कि अब मैं सुरक्षित हूँ क्योंकि क्या होता है न लोगों को अपनी जो Independence है ज्यादातर लोगों को वो Independence बनाए रखनी मतलब जैसी है वैसी रखनी होती</p>	<p>happens is that people want to maintain their independence, they like to sustain it. No one wants that they should become dependent on someone, you know, we think that they have grown old but they want their independence, so now they feel that they are safe now because if something happens, whatever it is, so their daughter will come to know even if she lives in another place, but if she will come to know that I have a problem, so this was very touching to me. It felt nice when he gave a lot of blessings while he was leaving. So this is an example. Secondly, once we received a call on the InfoLine from the National, the Fire Service of New South West, and they told that they have two people join them who are deaf and they asked us is we have any information or a device with which these people will get to know in case there is a fire incident or some, you know, a disaster situation. We said yes we do have. These are called Alerting Devices, which either have a visual display or there is a vibration by which we can, obviously, hear when the fire alarm turns on, but people who are deaf they get to know this through Vibration or Light Display and they can save themselves from that situation. So see, what is means is a person can remain functional. What can be a bigger thing than this for someone. I felt this experience of mine that day was very touching. And apart from this, one more thing that I have noticed here is that an old woman had come to our office,</p>
--	--	---

	<p>है। किसी को भी ये नहीं लगता है कि यार मैं किसी पर निर्भर हो जाऊं You Know हमें लगता है वो उम्र में बड़े हो गए लेकिन उनको तो अपने Independence चाहिए न तो अब वो उनको ऐसा लगता है कि अरे मैं अब तो मैं सुरक्षित हूँ क्योंकि कुछ होता है तो जो भी है बेटी है, भले ही दूसरी जगह पर रहती है कुछ है लेकिन उसे पता चलेगा कि मैं किसी problem में हूँ तो ये एक मुझे बहुत ही Touching था। अच्छा लगा जब उन्होंने बहुत सारी दुआएं दी जब वो गए। तो ये उदाहरण है। दूसरा एक बार जो National जो यहाँ का New South West का Fire Service है, वहाँ से हमें एक बार Phone आया था phone जो info line पर आया और उन्होंने बताया कि उनके यहाँ पर दो ऐसे लोगों ने join किया है जो सुन नहीं सकते, बधिर हैं और उन्होंने हमें पूछा कि भाई आपके पास ऐसी कोई Information है ऐसी कोई Device की जिससे इन लोगों को अगर कहीं पर आग लगती है या कोई भी You Know आपत्ति आती है तो इन्हें इसकी खबर मिलेंगे तो हमने कहा बिल्कुल है। इसको Alerting Devices कहा जाता है, जिसमें या तो एक Visual Display होता है या तो Vibration होता है जिसके द्वारा जैसे हमको obviously जब fire alarm बजता है हम सुन सकते हैं, लेकिन जो सुन ही नहीं सकता उनको या तो Vibration के द्वारा या तो Light Display के द्वारा इनको खबर मिलती है और ये</p>	<p>who had Parkinson's problem. She recently came to know that she has Parkinson's disease and she used to have a lot of tremors in her right hand, so she was facing difficulty in cooking and eating thinking what she should do now because she also wanted to maintain her independence, so she also came to know about us from Google or through someone else and she called us and asked if we have certain things that she can trial, she can see and choose. I said of course, please visit us and see what we have. Then she came, she tried different types of cutlery. We have such cutlery that can reduce tremors a little bit. It is like weight or weighted cups. The tremors will come. It is not that the tremors due to Parkinson's will be cured, but your condition. We know that some diseases cannot be treated completely, but how much we can improve your existing condition, so she tried different type of cutlery and chopping boards and tried different types of knives. She became so happy thinking that I can spend my life according to my needs. I do not need anyone to cook or feed me because when you have such a disease, specially, when we talk about neurological situations, you feel that now it is done. I can no longer do things independently in my life. I will definitely need someone, so when she realized. When you see this realization on people's face, I feel there can be no bigger gift than this.</p>
--	--	--

	<p>अपने आप को उस situation से बचा सकते हैं। तो देखिए किसी की मतलब कोई इंसान कार्यशील रह सकता है। इससे बड़ी बात क्या हो सकती है किसी के लिए। ये मेरा एक अनुभव मुझे लगा बहुत Touching लगा था मुझे उस दिन तो ये मैं आपको बताऊँगी और इसके अलावा एक और चीज़ जो यहाँ पर मैंने देखी है कि एक हमारे यहाँ पर एक वृद्ध महिला आई थी, जिन्हें Parkinson's का problem था। उनको हाल ही में पता चला था उन्हें Parkinson की बीमारी है और उनके दाएं हाथ में बहुत Tremors आते थे तो उन्हें जो कठिनाई महसूस हो रही थी वह थी खाना बनाने में और खाने में अब वो क्या करें क्योंकि उन्हें भी अपनी जो आत्मनिर्भरता है वो तो बनाए रखनी थी तो उन्होंने भी हमारे बारे में कहीं से Google से या किसी के द्वारा उन्हें पता चला और उन्होंने हमें phone किया और पूछा कि आपकी यहाँ ऐसी कोई चीज़ें हैं जो मैं Trial कर सकती हूँ, देख सकती हूँ और मतलब अपना मतलब चुन सकती हूँ तो मैंने कहा बिल्कुल आप ज़रूर आइए हमारे यहाँ और देखिए कि हमारे पास क्या रखा है तो वो आए उन्होंने अलग अलग टाइप की Cutlery try की तो हमारे यहाँ ऐसी-ऐसी Cutlery है जो Tremors को थोड़ा सा कम कर सकती है, weight जैसी होती है या weighted cups जिससे ये Tremors तो आएँगे। ये नहीं है की Parkinson's के Tremors ठीक हो जाएँगे, लेकिन जो आपकी</p>	
--	--	--



		<p>स्थिति है हमको जो चाहिए है कि कुछ कुछ बीमारियां Completely Treat नहीं हो सकती, लेकिन जो आपकी Existing स्थिति है, उसमें हम कितना सुधार ला सकते हैं तो उन्होंने वो अलग अलग Cutlery Try की Chopping Board Try किए, अलग अलग तरह के knives try किए। वो इतनी खुश हो गईं की अब मुझे मतलब ये ध्यान मतलब मैं अपनी जिंदगी अपने हिसाब से बिता सकती हूँ। मुझे Cooking करने के लिए, खाना खिलाने के लिए किसी की जरूरत नहीं है क्योंकि जब कोई ऐसी बीमारी आपको होती है spacially जब Neurological Situations पर बात आती है तो आपको लगता है भाई हो गया अब तो मैं अपनी जिंदगी अपने ऊपर नहीं निकाल सकती। मुझे किसी की जरूरत ही पड़ेगी तो जब ये इनको एहसास हुआ तो वो एहसास जब ये दिखता है आपको लोगों के चेहरों पर मुझे लगता है इससे बड़ा कोई gift नहीं हो सकता।</p>	
00:23:24	00:23:42	<p>Shilpa: जी ये तो आपने बातों बातों में बहुत अच्छी बात कही कि कुछ चीजों को हम avoid नहीं कर सकते, लेकिन सुधार तो ला सकते हैं। मतलब जब हम सोचते हैं कि हम खुद कुछ कर सकते हैं कुछ घटनाएं घटी तो हम हाथ पर हाथ धरे बैठ नहीं सकते। मतलब जीवन तो चलना है।</p>	<p>Shilpa: Yes, it is a very good thing that you have said that we cannot avoid certain things, but we can definitely make improvements. I mean when we think that we can do something ourselves, so when an incident happens, then we cannot just sit without taking any action. Means life has to go on.</p>
00:23:43	00:23:44	<p>Aparna: जीवन तो चलना है।</p>	<p>Aparna: Life goes on.</p>
00:23:45	00:23:47	<p>Shilpa: तो ऐसे हालात में ये Assistive Technology सच में</p>	<p>Shilpa: So in such a situation, these Assistive Technologies will</p>

		बहुत ही फायदेमंद रहेंगी।	be really beneficial.
00:23:49	00:24:15	Aparna: बल्कि हम देखते हैं ये जो Assistive Technology में जो Assistive Technology Australia में जो हमने एक अनुभव जो मुझे हमेशा आया है कि यहाँ पर लोग जो अक्षम लोग है ये ज्यादा Capable हो जाते है और हमें we can't even imagine कि ये इंसान इतना आगे बढ़ सकता है अपनी जिन्दगी में तो ये कमाल दिखाती है Assistive Technology.	Aparna: Rather, in the Assistive Technology Australia, I have always had an experience that disabled person becomes more capable and we cannot even imagine that this person can progress so much in their life, so this is the amazing result of Assistive Technology.
00:24:16	00:24:14	Shilpa: सच में बहुत ही actually मुझे खुद personally इनमे से कई चीजों के बारे में जानकारी नहीं थी तो मैं खुद आपसे बहुत कुछ सीखा तो मुझे लगता है कि इस podcast के द्वारा लोगों को भी बहुत कुछ जानकारियां मिली होंगी और इससे वो अपनी जिंदगी और बेहतर बना सकते हैं। तो अपर्णा जी, आपने आज हमें बहुत बहुत अच्छी बातें, बहुत अच्छी जानकारी दी है। तो हमारे speak my language के तरफ से आपको हम बहुत बहुत धन्यवाद कहना चाहते हैं और जाने से पहले आप खुद एक occupational therapist हैं, अब इतने सालों से काम कर रही हैं इसी क्षेत्र में तो आप लोगों से क्या कहना चाहती हैं क्योंकि पता नहीं कि कितने लोगों को इन सारी Technology है और इन सारी Services के बारे में पता होगा तो ऐसे लोगों के लिए आपका क्या है Message?	Shilpa: Really, actually I myself did not know about many of these things, so I myself have learned a lot from you, so I think through this podcast people must have got a lot of information and they can make their life better through this. So Aparna, you have told us great things and given us very good information today. So on behalf of our Speak My Language, we want to thank you very much and before you leave, you are an Occupational Therapist yourself and you have been working in this field for so many years, what do you want to say to people because there will be many people who won't be aware of all these technology and these services. What is your message for them?
00:24:15	00:27:45	Aparna: मेरा Message तो	Aparna: My message is

	<p>definitely ये है कि आप Assistive Technology Australia के Website पर जा कर देखे क्योंकि वहाँ पर इतनी सारी अलग अलग Categories है Major Categories, Minor Categories हर चीज़ के लिए जैसे मैंने अभी आपको ये Kitchen के बारे में बताया की इन लेडी जो है ये लेडी। इनको अपना जो आत्मनिर्भरता बनाए रखनी है तो इसके बारे में आपको सारी Information सारे तरह के और हर चीज़ का photo है। उसके बारे में एक पूरा description है और ऐसी हर एक चीज़ आपको उसके ऊपर दिखेगी और ये वेबसाइट जो हमारी <a href="http://www.at-aust.org">www.at-aust.org</a> इसके ऊपर जा कर आपको यह पूरी जो जानकारी है मिलेगी। इसके अलावा जैसे मैंने कहा हम Group Tour भी चलाते हैं जहाँ पर अलग अलग Therapist भी आते हैं। कभी Doctors भी आते हैं। कभी TAFE के Students भी आते हैं उनको जानकारी के लिए तो हम उनको एक डेढ़ घंटे की पूरी जानकारी देते हैं, अलग अलग Devices की और ये बहुत सारा है खाली एक दो चीज़ों के लिए नहीं है हमारे जो मैंने कहा जो Apartment है हमारा वहाँ पर Bathroom के Adaptations है। Bathroom में use होने वाले अलग अलग ads हैं, Kitchen के हैं। एक Living Room है जहाँ पर जैसे हमने Home Automation कर रखा है ताकि लोग बैठे बैठे ही हर Switch को या हर चीज़ को इस्तेमाल कर</p>	<p>definitely that you should visit the website of Assistive Technology Australia and check out many different categories there, like Major Categories, Minor Categories for everything. Like I just told you about the kitchen. If the lady wants to maintain their independence, then it has all the information and each type of photo in it. There is a complete description about it and you will see every such thing on it and you will get all the information by visiting our website <a href="http://www.at-aust.org">www.at-aust.org</a>. Apart from this, like I said, we also run group tours where different therapists come as well. Sometimes doctors come too. Sometimes TAFE students also come for information, so we give them complete information for one and a half hours about different devices and this is for a lot of things, not just for one or two things. Like I said our apartment has bathroom adaptations. There are different aids used in the bathroom and in kitchen. There is a living room where we have done home automation so that people can use every switch or all the things while sitting. There are gardening aids and mobility aids, such as wheelchairs, walkers and walking sticks. So I think people can visit our website for information about these things. You can also get complete information in Hindi by clicking on our website for the Hindi language. It can be converted into many languages, if you click on Hindi, you can get all the information in Hindi. So I think by visiting our website you</p>
--	--	--

	<p>सकते हैं। Gardening के aids रखे हैं, Mobility के रखे हैं जैसे Wheelchair रखे हैं, walkers रखे हैं, Walking Sticks रखे हैं। तो मुझे लगता है लोगों को इस चीज़ की जानकारी के लिए वो हमारी Website पर जा सकते हैं। हमारी Website हिंदी language में भी आप click करके पूरी जानकारी आपको हिंदी language में मिल सकती है। काफी सारी Languages में Convert हो सकता है पूरी जो Information है, तो उसमें आप अगर हिंदी में click करेंगे, आपको सारी जानकारी हिंदी में भी मिल सकती है। तो मुझे लगता है जा कर उस website पर ये सारी Information ले कर आपको काफी सारी बातें पता चलेगी और आपको लगेगा की भाई अपनी जिंदगी में कितनी अच्छे से बिता सकता हूँ या बिता सकती हूँ और उसके बारे में अगर आपको कोई भी अगर आगे जानकारी चाहिए तो आप कभी भी हमें phone कर सकते हैं। and we are always there क्योंकि हमारे यहाँ जो Professionals हैं वे सारे मतलब काफी सारे Occupational Therapist हैं और जैसे कि मैंने आपको बताया था तभी Assistive Technology Mentor भी हमारे यहाँ काम करते हैं जो खुद एक अक्षम किसी areas में अक्षम हैं। लेकिन एक साधारण इंसान क्या करेगा उससे भी वो काफी अच्छा कर लेते हैं और वो भी अच्छे अच्छे Advices आपको दे सकते हैं क्योंकि उनके पास तो</p>	<p>will get all this information and find out a lot of things and you will feel how well you can live your life and if you need any further information about it, then you can call us anytime. And we are always there because the professionals we have here, there are a lot of Occupational Therapists and as I told you, Assistive Technology Mentors also work here who themselves are disabled in some areas. But they end up doing a task much better than what an ordinary person will do and they can also give you good advice because they have lived experience. They are themselves living such a life, they know more than us. So I think definitely yes. I mean this will be my thinking that you can get all the information on this Assistive Technology website.</p>
--	---	---

		<p>lived Experience हैं वो तो खुद जी रहे हैं ऐसी ज़िन्दगी तो उन्हें ज्यादा पता है हमसे। तो मुझे लगता है कि definitely yes मतलब this will be my thinking कि आप यह Assistive Technology की website पर आपको सब Information मिल सकती है।</p>	
00:27:46	00:28:12	<p>Shilpa: जी और ये एक और आपने अच्छी बात यहाँ पर बताया कि वह लोगों को अपनी अपनी भाषा में इसके बारे में जानकारी मिलेगी। मतलब हिंदी लोगों को हिंदी में ही इसके बारे में सारी जानकारियां प्राप्त हो सकती है। तो यह एक बहुत ही अच्छी बात है क्योंकि कई बार ऐसा हो जाता है कि language ही उनके लिए एक Barrier हो जाता है तो जब उन्हें अपनी ही भाषा में इसके बारे में बहुत सी जानकारी अगर मिलेगी तो उनको न decision लेने में बहुत आसानी होगी।</p>	<p>Shilpa: Yes and this is another good thing you told that people will get information about it in their own language. Meaning Hindi speaking people can get all the information about it in Hindi itself. So this is a very good thing because many times it happens that language itself becomes a barrier for them, so when they get a lot of information about it in their own language, then it will be very easy for them to take a decision.</p>
00:28:13	00:28:59	<p>Aparna: इसलिए मैं एक और चीज़ यहाँ पर बताऊँगी जो हमारे Info Line Service चलती है, जिस पर मैंने कहा आप phone या E-mail द्वारा हमसे contact कर सकते हैं और अपनी जो भी enquiry है, हमसे पूछ सकते हैं तो इसमें क्या होता है कई लोगों को लगता है कि अंग्रेजी में ही हम बोलेंगे तो इन्हें पता चलेगा। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है और किसी भी Cultural Background से हो सकते हो, किसी भी भाषा का कोई language barrier हमारे पास हमारा नहीं है। तो अगर क्योंकि</p>	<p>Aparna: So I will tell you one more thing here about our operational Info Line Service, as I said that one can contact us by phone or e-mail and ask us whatever your inquiry they have. So, what happens is that many people feel that if they talk in English only then we will understand. It is not like that at all and you can be from any cultural background. We do not have any language barrier of any language. So in my office I am the only one who can talk in Hindi, others cannot talk in Hindi, we use National Interpreter Service, in which an interpreter can visit and</p>

		<p>मेरे जैसे office में मैं अकेली हूँ, जो मैं हिंदी में बात कर सकती हूँ बाकी नहीं कर सकते तो हम National Interpreter Service का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें एक Interpreter आ कर हम जो कह रहे हैं वह आगे वाले को बता सकते हैं और जो आगे वाला बोल रहा है वह हमें पता चल जाएगा तो कोई भी हिचकिच ना रहे और हर कोई Background से हमें लोगों ने Contact करना चाहिए ऐसा मुझे लगता है।</p>	<p>interpret our message to the client and vice-versa. That ways, we will understand so there won't be any hesitation and people from any background can contact us. This is what I think.</p>
00:29:00	00:29:12	<p>Shilpa: बिल्कुल बिल्कुल Thank you so much अपर्णा जी आप हमारे इस Program में आईं और हमें बहुत जानकारियां दी इसके लिए आपको तहे दिल से बहुत बहुत शुक्रिया अदा करना चाहते हैं हम</p>	<p>Shilpa: Absolutely. Thank you so much Aparna ji, you came to our program and gave us a lot of information. We want to thank you from the bottom of our heart.</p>
00:29:13	00:29:17	<p>Aparna: Thank you so much, thank you so much for that.</p>	<p>Aparna: Thank you so much, thank you so much for that.</p>
00:29:18	00:30:30	<p>Shilpa: अगर आपको हमारा यह अभिलेख पसंद आया हो तो कृपया आप हमें हमारी वेबसाइट <a href="http://www.speakmylanguage.com.au">www.speakmylanguage.com.au</a> पर जाएँ जहाँ पर आपको इसके बारे में और अधिक जानकारियां मिलेंगी। साथ ही अपने दोस्त और रिश्तेदारों को भी speak my language के बारे में ज़रूर बताइएगा।</p> <p>आप हमें Facebook, Twitter, LinkedIn और Instagram में भी पा सकते हैं। इस बातचीत को न केवल Australia में बल्कि पूरी दुनिया में बरकरार रखने में हमारी</p>	<p>Shilpa: If you liked our article, please visit our website <a href="http://www.speakmylanguage.com.au">www.speakmylanguage.com.au</a> where you will find more information about it. Also, tell your friends and relatives about Speak My Language as well.</p> <p>You can also find us on Facebook, Twitter, LinkedIn, and Instagram. Help us keep this conversation going, not only in Australia, but around the world as well. The Speak My Language project is proudly presented in New South Wales by the Ethnic Communities Council, New South Wales. The Speak My Language project is funded by</p>

	<p>मदद कीजिए। speak my language परियोजना को गर्व से new South Wales में प्रस्तुत कर रहे हैं Ethnic Communities Council, New South Wales. speak my language परियोजना को Department of Social Services से निधिकरण मिल रहा है और इसे पूरे Australia में प्रस्तुत करने में हमारे साथ भागीदार बने हैं। सारे राष्ट्रीय और क्षेत्रीय Ethnic and Multicultural Communities Councils और Multi Cultural Councils. हमारे राष्ट्रीय प्रसारण भागीदार हैं SPS और NEMBC.</p>	<p>the Department of Social Services and they are partnering us in presenting it across Australia. All National and Regional Ethnic and Multicultural Communities Councils and Multi Cultural Councils. Our national broadcasting partners are SPS and NEMBC.</p>
--	---	---